

---

# Shri Vishvadharmā Abhyudāyam

---

## श्री विश्वधर्माभ्युदयम्

---

### Document Information

---

Text title : Shri Vishvadharmā Abhyudāyam

File name : vishvadharmAbhyudāyam.itx

Category : deities\_misc, shrIdharasvAmI, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : Shridharasvami

Proofread by : Manish Gavkar

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnamAlīkA

Latest update : February 11, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्री विश्वधर्माभ्युदयम्



(द्रुतविलम्बितवृत्तम्)

सकलविश्वतमो विनिवारयन्  
निखिलतापभयं प्रावलोपयन् ।  
सुविमलोऽखिलविश्वमिदं धरन्  
जयति विश्वसुधर्मसुधाकरः ॥ १ ॥

विरतियुक्तमुमुक्षुचकोरकाः  
विमलभूमसुखं हि बुभुक्षवः ।  
यमनिशं विमलाः समुपासते  
जयति विश्वसुधर्मसुधाकरः ॥ २ ॥

अमलभूमपरात्मसुरवाब्धिजः  
सकलहृत्कुमुदं सुविकासयन् ।  
विषयशून्यसुखं वितरन्मुदा  
जयति विश्वसुधर्मसुधाकरः ॥ ३ ॥


जगति तत्त्वमसीति सुबोधयन्  
अचलभूमसुखं विदधद्भुवि ।  
सकलजीवविमोक्षणकारणं  
जयति विश्वसुधर्मसुधाकरः ॥ ४ ॥


सकलधर्मकरैश्च विराजितं  
अखिलसौख्यनिधिं परमावधिम् ।  
भजत रे निजसौख्यविलोलुपाः  
जयति विश्वसुधर्मसुधाकरः ॥ ५ ॥

इति श्रीमत् परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवान्  
श्रीधरस्वामीमहाराजविरचितं श्रीविश्वधर्माभ्युदयं सम्पूर्णम् ।  
कार्तिक शुद्ध पूर्णिमा, रचनास्थानं मङ्गलूरु, मन्मथसंवत्सर

Proofread by Manish Gavkar

---

——  
*Shri Vishvadharmā Abhyudāyam*  
pdf was typeset on February 12, 2023

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

